भारतीय परिषद कृषि अनुसंधान - केंद्रीय मत्स्य शिक्षा संस्थान, कोलकाता केंद्र द्वारा आयोजित "महिलाओं के लिए मत्स्य पालन उद्यम के अवसरों का बढ़ावा" विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला की रिपोर्ट

केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, कोलकाता केंद्र ने 9 मार्च 2026 को "महिलाओं के लिए मत्स्य पालन उद्यम के अवसरों को बढ़ावा" विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला Agri Business Incubation Centre (ABI) and Centre of Excellence in Fisheries Entrepreneurship Development (CEFED) के सहयोग से आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य इच्छुक महिला उद्यमियों को मत्स्य पालन क्षेत्र में अपने व्यावसायिक मॉडलों में विविधता लाने के लिए प्रोत्साहित करना। इस कार्यक्रम में कुल 50 महिला मछुआरों, उद्यमियों और छात्राओं ने भाग लिया।

कार्यशाला भा.कृ.अनु.प - केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, मुंबई के निदेशक डॉ. एन. पी. साहू का नेतृत्व से किया गया। कार्यशाला के कार्यक्रम सीआईएफई, कोलकाता केंद्र के प्रमुख डॉ. टी. के. घोषाल ने उद्घाटन सत्र के दौरान कार्यक्रम के सभी गणमान्य व्यक्तियों और प्रतिभागियों का स्वागत किया।

मुख्य अतिथि श्रीमती शर्मिष्ठा दास, आईएएस, मत्स्य पालन सचिव और प्रबंध निदेशक, बेनफिश, कोलकाता ने अपने उद्घाटन भाषण में मत्स्य पालन क्षेत्र में महिला उद्यमियों के सामने आने वाली व्यवस्थागत चुनौतियों का व्यावहारिक अवलोकन प्रस्तुत किया। उन्होंने महिला नेतृत्व वाले उद्यमों की स्थिरता और विकास सुनिश्चित करने के लिए वित्तीय बाधाओं से निपटने पर एक ज्ञानवर्धक चर्चा का नेतृत्व भी किया।

विशिष्ट अतिथि डॉ. धृति बनर्जी, निदेशक, जूलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया, कोलकाता ने मत्स्य पालन क्षेत्र में महिला सशक्तिकरण के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वास्तविक सशक्तिकरण उन्नत मत्स्य पालन प्रौद्योगिकियों के एकीकरण और आधुनिक मत्स्य पालन उद्यमों में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी से ही संभव है।

पश्चिम बंगाल के न्यूज़ विभाग की संयुक्त सचिव और कार्यक्रम निदेशक सुश्री अंजंता डे ने पारिस्थितिकी तंत्र आधारित मछली पालन मॉडल में उद्यमिता के अवसरों पर व्याख्यान दिया, जिसमें मत्स्य पालन विकास के लिए टिकाऊ दृष्टिकोणों पर प्रकाश डाला गया।

डॉ. टी.के. घोषाल ने कम लागत वाले मछली चारा उत्पादन इकाइयों में उद्यमिता के अवसरों पर बात की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उचित योजना और प्रबंधन से छोटे पैमाने के चारा संयंत्रों को लाभदायक उद्यमों में विकसित किया जा सकता है।

डॉ. सुजाता साहू ने एकीकृत मछली पालन प्रणालियों की उद्यमशीलता क्षमता के बारे में जानकारी प्रदान की और महिलाओं को उत्पादकता और आय बढ़ाने के लिए आधुनिक वैज्ञानिक तरीकों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया।

मत्स्य पालन में व्यावसायिक मॉडलों के विविधीकरण पर एक संवादात्मक सत्र भी आयोजित किया गया, जिसमें सजावटी मछली पालन, गुणवत्तापूर्ण मछली बीज उत्पादन, चारा निर्माण, मछली प्रसंस्करण और मछली

मूल्यवर्धन तथा मत्स्य पालन से संबंधित अन्य स्टार्टअप अवसरों को शामिल किया गया। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

कार्यक्रम का समन्वय आईसीएआर-सीआईएफई, कोलकाता केंद्र की डॉ. एच. मंदाकिनी देवी, डॉ. सुजाता साहू, डॉ. लीसा प्रियदर्शनी और श्रीमती श्वेता प्रधान द्वारा किया गया।

Report of One-day workshop on "Unlocking Fisheries Enterprise Opportunities for Women" organised by ICAR-CIFE Kolkata Centre

ICAR–Central Institute of Fisheries Education, Kolkata Centre organised one-day workshop on "Unlocking Fisheries Enterprise Opportunities for Women" on 9th March 2026 in association with Agri Business Incubation Centre (ABI) and Centre of Excellence in Fisheries Entrepreneurship Development (CEFED), ICAR-CIFE, Mumbai. The programme aimed to encourage aspiring women entrepreneurs to diversify business models in the fisheries sector. A total of 50 fisherwomen, entrepreneurs, and students participated in the event.

The workshop was led by Dr. N. P Sahu, Director, ICAR-CIFE, Mumbai. Dr. T.K Ghoshal, Head, ICAR-CIFE, Kolkata centre, Program Director of the workshop welcomed all the dignitaries and participants of the programme during the inaugural session.

Mrs. Sharmistha Das, IAS, Fisheries Secretary and Managing Director, Benfish, Kolkata was present as the Chief Guest of the programme. Dr. Dhriti Banerjee, Director, Zoological Survey of India, Kolkata was present as Guest of Honour.

The Chief Guest, Mrs. Sharmistha Das, on her inaugural address provided a pragmatic overview of the systemic challenges faced by women entrepreneurs in the fisheries sector. She also led an insightful discussion on navigating bureaucratic and financial hurdles to ensure the sustainability and growth of women-led enterprises.

The Guest of Honour Dr. Dhriti Banerjee, highlighted the importance of women's empowerment in the fisheries sector. She emphasized that true empowerment stems from the integration of advanced aquaculture technologies and the active participation of women in modern fisheries enterprises.

During the technical session Ms. Anjanta Dey, Joint Secretary and Programme Director, NEWS, West Bengal, delivered a lecture on entrepreneurship opportunities in ecosystem-based fish farming models, highlighting sustainable approaches to fisheries development.

Dr. T.K. Ghoshal, Head, ICAR-CIFE, Kolkata Centre, spoke on entrepreneurship opportunities in low-cost fish feed production units. He emphasized that small-scale feed plants can be developed into profitable enterprises with proper planning and management.

Dr. Sujata Sahoo provided insights into the entrepreneurial potential of integrated fish farming systems and encouraged women to adopt modern scientific methods to enhance productivity and income.

An interactive session was also held on diversifying business models in fisheries, including ornamental fish culture, quality fish seed production, feed manufacturing, fish processing and fish value addition, and other fisheries-based start-up opportunities. All participants were awarded certificates at the end of the programme.

In house bred ornamental fishes such as Jetblack guppy and tricolour/bicolour lionhead varieties of goldfish were distributed to the entrepreneurs. ABI incubation certificates were also distributed to incubatee who successfully completed the ABI incubation program. The programme was coordinated by Dr. H. Mandakini Devi, Dr. Sujata Sahoo, Dr. Leesa Priyadarsani, and Mrs. Sweta Pradhan of ICAR-CIFE, Kolkata Centre.